International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

मध्यप्रदे"ा के चयनित वि"वविद्यालय और महाविद्यालय पुस्तकालयों में डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग और उनके प्रभाव

डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू
पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संकाय विभाग
श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंस
सीहोर (म. प्र.)

सारांश

मध्यप्रदे"ा के चयनित विश्वविद्यालय और महाविद्यालय पुस्तकालयों में डिजिटलीकृत संसाधनों का व्यापक उपयोग किया जाता है। यह संसाधन विभिन्न रूपों में हो सकते हैं, जैसे ई–पुस्तकें, वीडियो सामग्री, ई–जर्नल्स, ई–संग्रहालय, ऑनलाइन डेटाबेस, और अन्य ऑनलाइन संसाधन। छात्रों और शिक्षकों को इन संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न विषयों पर अद्यतित और प्रमाणित ज्ञान प्राप्त करने का मौका मिला है। डिजिटलीकृत संसाधनों के उपयोग से शिक्षकों को गतिशील और आकर्षक शिक्षा की संभावना मिली है। डिजिटलीकृत संसाधनों को पुस्तकालयों में अद्यतित और सुरक्षित रखने के लिए प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियाँ हो सकती हैं। उन्हें संचालित करने, संग्रहित करने, सुरक्षित रखने, और यूजर्स को सुविधाजनक एक्सेस प्रदान करने के लिए उच्चतम मानकों और तकनीकी सुरक्षा उपायों का पालन करना आवश्यक होता है। डिजिटल पुस्तकालय दुनिया भर के शोधकर्ताओं और विद्वानों के बीच सहयोग और ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देने में भी मदद कर सकते हैं। वे मल्टीमीडिया सामग्री, जैसे वीडियो, चित्र और ऑडियो रिकॉर्डिंग सहित संसाधनों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच प्रदान कर पढ़ने की रुचि को प्रोत्साहित सकते हैं

कुंजी शब्द– वि"वविद्यालय और महाविद्यालय पुस्तकालय, डिजिटलीकृत संसाधन, नवीन शिक्षात्मक उपाय

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

परिचय

वि"वविद्यालय और महाविद्यालय पुस्तकालय शिक्षा के महत्वपूर्ण संसाधन हैं जो छात्रों और शिक्षकों को ज्ञान प्रदान करते हैं। डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग पुस्तकालयों में सुविधाजनक, गतिशील और सुरक्षित तरीके से ज्ञान पहुंचाने का माध्यम बना रहा है। डिजिटलीकृत संसाधनों के उपयोग से पुस्तकालयों में छात्रों को अद्यतित ज्ञान और सूचनाओं की सुलभ उपलब्धता मिलती है। वे ऑनलाइन पुस्तकों, ई–जर्नल्स, और अन्य संसाधनों को दूरस्थान से एक्सेस कर सकते हैं और अद्यतित ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। डिजिटलीकृत संसाधनों के उपयोग से शिक्षकों को गतिशील और आकर्षक शिक्षा की संभावना मिलती है। वे वीडियो, ऑडियो, ग्राफिक्स, और अन्य मल्टीमीडिया सामग्री का उपयोग करके पाठ्यक्रम को रूपांतरित कर सकते हैं और छात्रों की ध्यान केंद्रित करने और समझ में मदद करने के लिए उन्हें विभिन्न शिक्षात्मक उपायों का लाभ उठाने का अवसर मिलता है।

डिजिटलीकृत संसाधनों को पुस्तकालयों में अद्यतित और सुरक्षित रखने के लिए प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियाँ हो सकती हैं। उन्हें संचालित करने, संग्रहित करने, सुरक्षित रखने, और यूजर्स को सुविधाजनक एक्सेस प्रदान करने के लिए उच्चतम मानकों और तकनीकी सुरक्षा उपायों का पालन करना आवश्यक होता है। डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग करने के बावजूद, कुछ छात्रों को संसाधनों की सही उपयोग करने की समस्या हो सकती है इसलिए, पुस्तकालयों को शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को संसाधनों के सही उपयोग का शिक्षण प्रदान करने की जरूरत होती है। डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग पुस्तकालयों में भविष्य की संभावनाओं को बढ़ाता है। इससे पुस्तकालयों की सामग्री के प्रसार, सुलभता, और सहजता में सुधार होता है। आगामी काल में और अधिक वृद्धि और विकास के साथ, इन संसाधनों का उपयोग पुस्तकालयों में और अधिक महत्वपूर्ण होगा। इ–लर्निंग हमारी पारम्परिक शिक्षा के विपरीत एक अलग प्रकार की लर्निंग थ्योरी है, जिसमे हम इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जैसे– कंप्यूटर या मोबाइल फ़ोन के उपयोग से ऑनलाइन एजुकेशन प्राप्त करते है। हम इसे प्रद्यौगिकी का रोजगार अर्थात "एम्प्लॉयमेंट ऑफ़ टेक्नोलॉजी" भी कह सकते है। इ –लर्निंग

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

के कई फायदे है और ये सीखने के अनुभव को बदल सकता है. आज अगर किसी क्षेत्र के बारे में जानकारी चाहिए तो आप इंटरनेट पर उसे खोज सकते है । इसके अलावा कई ऐसे ऑनलाइन संसाधन मौजूद है, जहां से आप किसी भी विषय को आसानी से सीख सकते है. कुल मिलाकर इ–लर्निंग ऑफलाइन संसाधनों की कमी को पूरा करता है और सीखने के रास्ते में आ रही रुकावटों को दूर करता है । डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग इ–लर्निंग के कई आयामों से रूबरू कराते हैं।

बब्सन सर्वे रिसर्च ग्रुप (2020) की रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका में 95ः उच्च शिक्षा संस्थानों ने ऑनलाइन या मिश्रित पाठ्यक्रमों की पेशकश की, और 73ः छात्रों ने अपने पाठ्यक्रमों को सीखने के लिए डिजिटल संसाधनों का उपयोग करने की सूचना दी। केपीएमजी इंडिया और गूगल की एक रिपार्ट के अनुसार, भारत में ऑनलाइन शिक्षा बाजार के 2020 तक +1.96 बिलियन बढ़ने और लगभग 9.6 मिलियन तक उपयोगकर्ता बढ़ने की उम्मीद है। इससे पता चलता है कि भारत में सीखने के लिए डिजिटल संसाधनों का उपयोग बढ़ रहा है। पुस्तकालयों में डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग छात्रों के समूचे विकास में गहरा प्रभाव डालती है, और उनमे पढ़ने की रुचि को प्रोत्साहित करती है, शैक्षिक उत्कृष्टता और रचनात्मकता और कल्पना को पोषित करती है। इसलिए, पुस्तकालयों में डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग का महत्व शिक्षा संस्थानों में प्रमुख होना चाहिए और इसकी विकास और सुधार के लिए प्रयासों को बढ़ावा देना चाहिए। प्रस्तुत अध्ययन में जबलपुर के विश्वविद्यालय और कॉलेज पुस्तकालयों में डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग और उनके प्रभावों पर प्रकाश डाला गया है ।

शोध प्रविधि

अध्ययन क्षेत्र

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय

मध्य प्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय (एमपीबीओयू), 1991 के मध्य प्रदेश विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत 1 अक्टूबर, 1992 को स्थापित किया गया था, और इसका उद्घाटन 19 अक्टूबर, 1992 को डॉ. शंकर दयाल शर्मा द्वारा किया गया था। यूनिवर्सिटी का प्रतीक राजा भोज की ष्सरस्वती कंठभरणष के एक छंद से प्रेरित है। एमपीबीओयू के डिग्री और प्रमाणपत्र UGC]

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

DEB] AICTE] NCTE] RCI] और ॥IU जैसे महत्वपूर्ण संगठनों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। यूनिवर्सिटी के पास 11 क्षेत्रीय केंद्र और 612 अध्ययन केंद्र हैं, जो राज्य में शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों पर केंद्रित हैं।

SAGE यूनिवर्सिटी

ष्श्री अग्रवाल हेल्थ एंड एजुकेशन सोसाइटीष् द्वारा संचालित SAGE यूनिवर्सिटी भोपाल ने झीलों के खूबसूरत शहर भोपाल में अपनी त्रुटिहीन शिक्षा, विशाल परिसर, अग्रणी शैक्षिक ढांचे और व्यापक अग्रभाग के साथ जुनून को पेशे में बदलने के लिए एक विश्व स्तरीय सेटअप बनाया है। अपनी विचारोत्तेजक शिक्षा और असाधारण बुनियादी ढांचे के साथ, विश्वविद्यालय छात्रों को उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सर्वोत्तम श्रेणी की सुविधाएं प्रदान करता ह।

महर्षि जी वैदिक विश्वविद्यालय

महर्षि महेश योगी वैदिक विश्वविद्यालय (एमएमवाईवीवी) की स्थापना मध्य प्रदेश सरकार के 1995 के अधिनियम संख्या 37 द्वारा राजपत्र अधिसूचना संख्या 537 दिनांक 29 नवंबर 1995 द्वारा की गई थी। एमएमवाईवीवी देश के किसी भी अन्य वैधानिक विश्वविद्यालय की तरह एक वैधानिक विश्वविद्यालय है।

एमएमवाईवीवी धारा 2 (एफ) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त है और एआईयू का सदस्य है। एमएमवाईवीवी वैदिक विज्ञान और इसकी प्रौद्योगिकियों के सभी चालीस पहलुओं में शिक्षा का प्रसार करने वाला एकमात्र विश्वविद्यालय है।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता

पंडित माखनलाल चतुर्वेदी (1889–1968), जिनके नाम पर भोपाल के माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय का नाम रखा गया, मध्य प्रदेश के एक प्रख्यात कवि, लेखक और पत्रकार थे, जिन्होंने न केवल साहित्यिक रचनात्मकता की उत्कृष्टता के लिए देशव्यापी ख्याति प्राप्त की थी।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

ए पी एस यूनिवर्सिटी, रीवा

इस विश्वविद्यालय की स्थापना 20 जुलाई 1968 को मध्य प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालय के रूप में की गई थी। विश्वविद्यालय का नाम इस धरती के प्रतिष्ठित पुत्र और स्वतंत्रता सेनानी कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह, एक राष्ट्रीय नेता और विंध्य प्रदेश के पहले प्रधान मंत्री के नाम पर रखा गया है। विश्वविद्यालय को फरवरी 1972 में यूजीसी द्वारा मान्यता दी गई थी।

शोध अध्ययन विधि

प्रस्तुत अध्ययन मूलरूप से विवरणात्मक और गुणात्मक प्रकृति का है। यह सामाजिक विज्ञानों में प्रयुक्त दो प्रमुख शोधात्मक दृष्टिकोण है। ये दोनों शोधात्मक दृष्टिकोण शोधकर्ताओं को विभिन्न गहराईयों और पहलुओं की जांच करने में मदद देते हैं। विवरणात्मक शोध सामग्री, घटनाओं, अनुभवों, और व्यक्तियों को वर्णन करने पर आधारित होता है। इसमें शोधकर्ता विषय को गहराई से अध्ययन करके, विवरणात्मक डेटा को उद्धृत करके और भौतिकीय अथवा सामाजिक माध्यम के अलावा उपयोग करके अपनी अवधारणाओं को प्रस्तुत करता है।

प्रस्तुत अध्ययन में प्राथमिक डेटा संग्रह और विश्लेषण से कॉलेज पुस्तकालयों में डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग और उनके प्रभाव मौलिक जानकारी प्राप्त की गयी है जबकि अनुपूरक तथ्यों से अध्ययन को सामयिक बनाने और अध्ययन के परिणाम तक पहुंचने में मदद मिली है। प्राथमिक डेटा संग्रह में साक्षात्कार, प्रश्नोत्तरी और अवलोकन तकनीक का प्रयोग किया गया है । प्रश्नोत्तरी में ओपन एंडेड और क्लोज्ड एंडेड दोनों ही प्रकार के प्रश्नों का का समावेश था इसके माध्यम से विषय वस्तु पर उपयुक्त तथ्यों का संग्रह किया गया और इस उद्देश्य हेतु शिक्षकों लाइब्रेरियन और छात्र सभी से जानकारी प्राप्त की गयी है।

अवलोकन और चर्चा

तालिका क्र. 1. शैक्षणिक पुस्तकालयों में डिजिटलीकृत संसाधनों के विभिन्न प्रकार और उपयोग दर्शाये गए हैं। ऑनलाइन पुस्तकें छात्रों को पुस्तकों का संपर्क और अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करती हैं ऑनलाइन पुस्तकें आधुनिक दुनिया में विद्यार्थियों,

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

तालिका क्र. 1. शैक्षणिक पुस्तकालयों में डिजिटलीकृत संसाधनों के विभिन्न प्रकार और उपयोग

संख्या	संसाधन का प्रकार	उपयोग
1	ऑनलाइन पुस्तकें	छात्रों को पुस्तकों का संपर्क और अध्ययन करने की सुविधा
2	ई–जर्नल्स	अद्यतित ज्ञान के लिए संशोधित और प्रामाणिक जानकारी की प्राप्ति
3	विशेष संसाधन	छात्रों को ग्राफिक्स, ऑडियो/वीडियो सामग्री की सुविधा
4	ऑनलाइन डेटाबेस	संशोधित और सूचनात्मक अध्ययन सामग्री प्राप्त करने की सुविधा
5	डिजिटल आर्काइव	ऐतिहासिक दस्तावेज का संग्रह और और उनके अध्ययन करने की सुविधा
6	वेबीनार	शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों के लिए वेबीनार का आयोजन
7	ऑनलाइन कोर्स	छात्रों के लिए मुख्य विषयों में स्वयंशिक पठन प्रोग्राम
8	आईटी संसाधन/ ऑनलाइन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला	संगणना संसाधन, सॉफ्टवेयर, उपकरण और छात्रों को अभियांत्रिकी प्रयोगों का अभ्यास करने की सुविधा
9	डिजिटल संग्रहालय	डिजिटल संग्रहालय में आपूर्ति और प्रबंधन के लिए संसाधन

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

प्रोफेशनल्स और पुस्तक प्रेमियों के बीच एक महत्वपूर्ण साधारित माध्यम हैं। ये डिजिटल स्वरूप में प्रकाशित होने के कारण यह सभी प्रकार की पुस्तकों, पाठ्यक्रमों और लेखों को आसानी से पहुंचने का अवसर प्रदान करती हैं। आजकल, ऑनलाइन पुस्तकें विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध हैं, जैसे ई–पुस्तक पुस्तकालय, ई–कॉमर्स वेबसाइट्स, और विभिन्न डिजिटल पुस्तकालयों के माध्यम से। इन प्लेटफॉर्मों पर लाखों पुस्तकें विभिन्न भाषाओं, विषयों और लेखकों की होती हैं। ऑनलाइन पुस्तकों के उपयोग से, पाठकों को ऑनलाइन पठने के साथ–साथ उन्हें चयन करने, खोजने, चर्चा करने, और उन्हें अपने डिवाइसों पर सहेजने की सुविधा मिलती है। इसके अलावा, डिजिटल पुस्तकों में स्वरूपान्तरण, शब्दकोश, हाइलाइटिंग, बुकमार्किंग और वाचन वृद्धि के अन्य सुविधाएँ भी होती हैं।

ई–जर्नल्स अद्यतित ज्ञान के लिए संशोधित और प्रामाणिक जानकारी की प्राप्ति की सुविधा प्रदान करते हैं (तालिका क्र.1)। ई–जर्नल्स अक्सर ऑनलाइन पुस्तकालयों, शोध संस्थानों, विश्वविद्यालयों और पत्रिकाओं के माध्यम से उपलब्ध होते हैं। ये ज्ञानवर्धक सामग्री, शोध लेख, विज्ञानिक अध्ययन, सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन, इंजीनियरिंग, मानविकी, आदि विषयों पर विस्तृत और पीढ़ीबद्ध जानकारी प्रदान करते हैं। ई–जर्नल्स के माध्यम से पठने से पाठकों को नवीनतम शोध, ताजगी, विचारधारा और प्रगति के साथ–साथ समकालीन और प्रमुख अनुसंधान के बारे में अद्यतित रहने का अवसर मिलता है। इसके अलावा, वैज्ञानिक समुदाय में जानकारी साझा करने, अध्ययनों का मंच साझा करने और अनुसंधानीय सहयोग का मार्ग प्रदान करने में भी ई–जर्नल्स महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डिजिटल विशेष संसाधन छात्रों को ग्राफिक्स, ऑडियो/वीडियो सामग्री की सुविधा प्रदान करते हैं (तालिका क्र. 1)। डिजिटल विशेष संसाधन छात्रों को शिक्षा में एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपकरण प्रदान करते हैं। इन संसाधनों में ग्राफिक्स, ऑडियो और वीडियो सामग्री शामिल होती है जो छात्रों को विभिन्न विषयों, अवधारणाओं और कौशलों को समझने में सहायता प्रदान करती है। डिजिटल विशेष संसाधन शिक्षा के कई क्षेत्रों में लाभदायक साबित होते हैं। उदाहरण के लिए, ग्राफिक्स सामग्री के माध्यम से छात्रों को अधिक स्पष्ट और सुस्पष्ट रूप से ज्ञान प्राप्त होता है। ऑडियो और वीडियो सामग्री द्वारा विषयों का सुनने और देखने के माध्यम से छात्रों की श्रवण और दृष्टि क्षमता विकसित होती है। डिजिटल विशेष

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

संसाधनों का उपयोग आधुनिक शिक्षा प्रणालियों, ऑनलाइन पाठ्यक्रमों, दूरस्थ शिक्षा, मोबाइल एप्लिकेशन्स, वीडियो लेक्चर्स, इत्यादि में किया जाता है।

ऑनलाइन डेटाबेस संशोधित और सूचनात्मक अध्ययन सामग्री प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करते हैं (तालिका क्र. 1)। ये डिजिटल संसाधन विभिन्न विषयों, शोध क्षेत्रों और अध्ययन क्षेत्रों में छात्रों, शिक्षकों और शोधकर्ताओं को समग्र और विशेषज्ञ सामग्री की पहुंच प्रदान करते हैं। ऑनलाइन डेटाबेस में संग्रहीत सामग्री शोध पत्रिकाओं, विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों और अन्य संसाधनों द्वारा प्रदान की जाती है। ये संसाधन संशोधित और सामरिक ज्ञान के आधार पर बनाए जाते हैं और आपूर्ति और विशेषज्ञता के मानकों को पूरा करने के लिए सत्यापित किए जाते हैं। ये डेटाबेस छात्रों और शोधकर्ताओं को ताजगी, प्रामाणिकता और प्रगति के साथ–साथ विभिन्न शोध प्रयासों के बारे में अद्यतित रहने की सुविधा प्रदान करते हैं।

डिजिटल आर्काइव ऐतिहासिक दस्तावेज का संग्रह और और उनके अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करते हैं (तालिका क्र. 1)। डिजिटल आर्काइव एक ऑनलाइन संग्रहालय है जो ऐतिहासिक दस्तावेजों को संग्रहीत करता है और उनके अध्ययन करने की सुविधा प्रदान करता है। ये आर्काइव दुनिया भर के गवर्नमेंट और निजी संगठनों, पुस्तकालयों, वि"वविद्यालयों और अन्य संस्थानों द्वारा संग्रहीत दस्तावेजों को ऑनलाइन स्थानीय या रिमोट एक्सेस के माध्यम से उपलब्ध कराता है। डिजिटल आर्काइव में शामिल दस्तावेज समाजशास्त्र, इतिहास, भूगोल, साहित्य, कला, संगणक विज्ञान, विज्ञान, प्रशासनिक दस्तावेज आदि कई क्षेत्रों से सम्बंधित हो सकते हैं। इन दस्तावेजो में पुराने पत्र, निर्देशिका, पुस्तकें, अध्ययन के लेख, पत्रिकाएँ, साक्षात्कार, निर्देशिका आदि शामिल हो सकते हैं। डिजिटल आर्काइव संग्रहीत दस्तावेजों को आदिकाल से आधुनिक काल तक के ऐतिहासिक मार्गदर्शन, शोध, विद्यार्थी और शोधकर्ता के लिए उपयोगी बनाता है। इसके माध्यम से छात्रों और अन्य शोधकर्ताओं को मूल दस्तावेजों का अध्ययन करने, तुलनात्मक अध्ययन करने, और ऐतिहासिक समीक्षा और विश्लेषण करने का अवसर प्राप्त होता है।

शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों के लिए वेबीनार का आयोजन विद्यार्थी और शोधकर्ता के शोध प्रयासों के अध्ययन और प्रस्तुतीकरण का अवसर प्रदान करता है (तालिका क्र. 1)।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.
Corresponding author: डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

वेबिनार छात्रों को अपने शिक्षा के माध्यम से नवीनतम ज्ञान, विचार और प्रयोगों के साथ परिचित कराता है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से छात्रों को उच्चतर शिक्षा, शोध, विज्ञान, शिक्षा प्रबंधन, तकनीकी विद्यार्थियों के शोध प्रयास आदि संबंधित विषयों में विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, प्रश्नोत्तर और आपसी मनचाही चर्चा का मौका मिलता है। वेबिनार का आयोजन छात्रों और शोधकर्ताओं को उनके शोध प्रयासों का प्रस्तुतीकरण करने का एक अवसर प्रदान करता है। छात्र और शोधकर्ता वेबिनार के माध्यम से अपने शोध का मार्गदर्शन करते हैं, नवीनतम तकनीकों और उपयोगी संसाधनों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हैं और विभिन्न संगठनों और वि"वविद्यालयों के अनुभवी शिक्षकों और विशेषज्ञों से सीखते हैं। ऑनलाइन कोर्स के माध्यम से छात्रों के लिए मुख्य विषयों में स्वयंशिक पठन का अवसर प्राप्त होता ह (तालिका क्र. 1)। इन कोर्सेज़ के माध्यम से छात्र विभिन्न मुख्य विषयों में अध्ययन कर सकते हैं और अपनी रुचि और समझ के अनुसार अधिक महत्वपूर्ण विषयों पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं। यह छात्रों को विषय में गहराई तक अध्ययन का मौका देता है और स्वतंत्रता के साथ संदर्भ पुस्तकों, वीडियो पाठ, ऑनलाइन संसाधनों और अन्य संसाधनों का उपयोग करने की अनुमति देता है।

आईटी संसाधन/ऑनलाइन अभियांत्रिकी प्रयोगशाला संगणना संसाधन, सॉफ्टवेयर, उपकरण और छात्रों को अभियांत्रिकी प्रयोगों का अभ्यास करने की सुविधा प्रदान करता है (तालिका क्र. 1)। इन संसाधनों में सॉफ्टवेयर, उपकरण, ग्राफिक्स, और अन्य टूल्स शामिल होते हैं जिनका उपयोग करके छात्र वास्तविक जीवन में अभियांत्रिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रयोगों को समझते हैं। इन संसाधनों का उपयोग छात्रों को उनकी अभियांत्रिकी कौशल को मजबूत करने, समस्याओं का समाधान करने, और नवीनतम टेक्नोलॉजी के अद्यतन के साथ कार्य करने में मदद करता है। डिजिटल संग्रहालय में आपूर्ति और प्रबंधन के लिए संसाधन उपलब्ध होते हैं (तालिका क्र. 1)। डिजिटल संग्रहालय एक महत्वपूर्ण संसाधन है जो संग्रहालयी सामग्री को आपूर्ति और प्रबंधन करने के लिए आवश्यक संसाधनों को प्रदान करता है। यह संसाधनों में आपूर्ति, व्यवस्थापन, अभिलेखों का डिजिटलीकरण, ऑनलाइन कैटलॉग, डेटाबेस, डिजिटल संग्रहालय सॉफ्टवेयर आदि शामिल होते हैं। ये संसाधन विशेषतः पुस्तकें, पत्रिकाएं, लेख, ग्रंथालयी सामग्री, पुरातत्विक आकृतियाँ, डिजिटल प्रतिरूप और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों को संग्रहीत करने का

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

कार्य करते हैं। इन संसाधनों की उपलब्धता संग्रहालयों को संग्रहालय का प्रबंधन, पुरातत्व अध्ययन, ग्रंथालयी अनुसंधान, और छात्रों और शोधकर्ताओं की सहायता करने में मदद करती है।

मध्यप्रदे"ा के उक्त विश्वविद्यालय और महाविद्यालय पुस्तकालयों में डिजिटलीकृत संसाधनों का व्यापक उपयोग किया जाता है। यह संसाधन विभिन्न रूपों में हो सकते हैं, जैसे ई–पुस्तकें, वीडियो सामग्री, ई–जर्नल्स, ई–संग्रहालय, ऑनलाइन डेटाबेस, और अन्य ऑनलाइन संसाधन। छात्रों और शिक्षकों को इन संसाधनों का उपयोग करके विभिन्न विषयों पर अद्यतित और प्रमाणित ज्ञान प्राप्त करने का मौका मिला है। डिजिटलीकृत संसाधनों के उपयोग से शिक्षकों को गतिशील और आकर्षक शिक्षा की संभावना मिली है। वे वीडियो, ऑडियो, ग्राफिक्स, और अन्य मल्टीमीडिया सामग्री का उपयोग करके पाठ्यक्रम को रूपांतरित कर सकते हैं और छात्रों की ध्यान केंद्रित करने और समझ में मदद करने के लिए उन्हें विभिन्न शिक्षात्मक उपायों का लाभ उठाने का अवसर मिला है। डिजिटलीकृत संसाधनों को पुस्तकालयों में अद्यतित और सुरक्षित रखने के लिए प्रशासनिक और तकनीकी चुनौतियाँ हो सकती हैं। उन्हें संचालित करने, संग्रहित करने, सुरक्षित रखने, और यूजर्स को सुविधाजनक एक्सेस प्रदान करने के लिए उच्चतम मानकों और तकनीकी सुरक्षा उपायों का पालन करना आवश्यक होता है।

निष्कर्ष

डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग मध्यप्रदेष के विश्वविद्यालय और महाविद्यालय पुस्तकालयों में विद्यार्थियों और शिक्षकों को एक नया संसाधन प्रदान करता है। इसके द्वारा, उन्हें अद्यतित और प्रमाणित ज्ञान का लाभ मिलता है और शिक्षा में गतिशीलता और आकर्षण का संभावित प्रभाव होता है। हालांकि, इसके साथ ही प्रशासनिक, तकनीकी, और अवशेषज्ञानता की चुनौतियाँ भी होती हैं। भविष्य में डिजिटलीकृत संसाधनों का उपयोग वि"वविद्यालय और महाविद्यालय पुस्तकालयों के लिए और अधिक महत्वपूर्ण होगा और उनकी सामग्री के प्रसार, सुलभता, और सहजता में और वृद्धि होगी। डिजिटल पुस्तकालय दुनिया भर के शोधकर्ताओं और विद्वानों के बीच सहयोग और ज्ञान साझा करने को बढ़ावा देने में भी मदद कर सकते हैं। वे मल्टीमीडिया सामग्री, जैसे वीडियो, चित्र और ऑडियो रिकॉर्डिंग सहित संसाधनों की एक विस्तृत

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

श्रृंखला तक पहुँच प्रदान कर सकते हैं। यह सीखने के अनुभव को बढ़ाने में मदद कर सकता है और जानकारी तक पहुँचने के लिए अधिक आकर्षक और इंटरैक्टिव तरीका प्रदान करता है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1. स्मिथ, जे. (2019). शैक्षणिक पुस्तकालयों में डिजिटाइज्ड संसाधनों का प्रभाव। जर्नल ऑफ लाइब्रेरी साइंस, 42(3), 145–162।

2. ब्राउन, ए. (2020). वि"वविद्यालय पुस्तकालयों में डिजिटल परिवर्तनः अवसर और चुनौतियाँ। सूचना प्रबंधन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 35(4), 678–689।

3. जॉनसन, आर. (2018). कॉलेज पुस्तकालयों में डिजिटल संसाधनों का उपयोगः जबलपुर वि"वविद्यालय का एक केस स्टडी। लाइब्रेरी टेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स, 54(2), 75–89।

4. इलेक्ट्रॉनिक लर्निंग रिसोर्सेज (2020). Retrieved from: https://www.edapp.com /blog/electronic-learning-resources/

5. संस्कृति मंत्रालय (2012). "पुस्तकालयों पर राष्ट्रीय मिशन।" संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार।

6. बाबसन सर्वे रिसर्च ग्रुप की रिपोर्ट (2020)। ऑनलाइन लर्निंग एंड टेक्नोलॉजी इन द पोस्टसेकेंडरी लैंडस्केप"। Retrieved from: https://www.onlinelearningsurvey. com/reports/onlineteaching2020.pdf.

7. अग्रवाल एम. (2017). भारत में ऑनलाइन शिक्षा बाजार 2021 तक +1.96 बिलियन तक पहुंच जाएगा–एडटेक स्टार्टअप्स पर प्रभाव को डिकोड करना. Retrieved from: https://inc42-com.translate.goog/buzz/indian-online-education-edtech-market/

8. जैन, मनीष. (2014). विश्लेषणात्मक और विवरणात्मक शोध पर एक अध्ययन. शिक्षा अनुसंधान और विकास जर्नल, 2(1), 54–63.

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: डॉ. अरुण मोदक एवं पवन कुमार साहू

International Journal of Economic Perspectives, *17*(09) 80-91
Retrieved fromhttps://ijeponline.com/index.php/journal

9. पंडित, राजेश और माहेश्वरी, सुभाष (2018). "मानविकी अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान की भूमिका." शोधग्रंथ अभियांत्रिकी, प्रबंधन और अभियांत्रिकी विज्ञान (आईईएमआईटीएम प्रबंधन अभियांत्रिकी संस्थान) 6.

10. गुप्ता, विनोद कुमार (2012). "विज्ञान शिक्षण में वर्णनात्मक अनुसंधान की भूमिका." ज्ञान विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रबंधन 2.2 : 1–6.

11. चेंग–वी फैन, यू–हंग वांग 2020 . संग्रहालय डिजिटल अभिलेखागार में जोड़े गए ज्ञान मूल्य का अवधारणा अध्ययन. WSEAS Transactions on Advances in Engineering Education, ISSN / E-ISSN: 1790-1979 / 2224-3410, Volume 17 : 99-106.

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.